शुक्रवार
20 नवम्बर 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 299
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

23 साल पुराने जैनी प्रकरण में

हरक सिंह पर एफआईआर दर्ज

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की राजनीति के चर्चित जैनी प्रकरण में 23 साल बाद एक बार फिर कानूनी कार्रवाई शुरू हो गई है। पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं कांग्रेस नेता हरक सिंह रावत के खिलाफ असम के गुवाहाटी स्थित पानबाजार महिला थाने में जीरो एफआईआर दर्ज की गई है। मामले में भारतीय दंड संहिता की 17 धाराओं के साथ मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम और किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधान भी शामिल किए गए हैं।



असम निवासी 39 वर्षीय इंदिरा देवड़ी उर्फ जैनी ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि वर्ष 2002-03 में जब वह करीब 16 साल की थीं, तब देहरादून के यमुना कॉलोनी क्षेत्र में एक एसटीडी बूथ पर काम करती थीं। नौकरी दिलाने का झांसा देकर तत्कालीन मंत्री के एक राजनीतिक कार्यकर्ता ने उन्हें सरकारी आवास तक पहुंचाया था। महिला का आरोप है कि वहां उन्हें करीब डेढ़ से दो महीने तक जबरन रखा गया। इस दौरान सरकारी आवास और मसूरी सहित विभिन्न स्थानों के होटलों में उनके साथ बार-बार दुष्कर्म किया गया। जैनी ने गर्भवती होने के बाद प्रताड़ित करने और बिना मजिस्ट्रेटी आदेश के नारी निकेतन तथा मानसिक स्वास्थ्य केंद्र में रखे जाने का भी आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता ने वर्ष 2003 में जन्मे अपने 23 वर्षीय बेटे की पितृत्व पहचान स्पष्ट करने के लिए डीएनए परीक्षण की मांग की है। उन्होंने हरक सिंह रावत, स्वयं और बेटे का न्यायालय की निगरानी में डीएनए परीक्षण कराने का अनुरोध किया है। इसके साथ ही 2003 के नारी निकेतन, अस्पताल और अन्य संबंधित सरकारी रिकॉर्ड जब्त कर उनकी जांच कराने की मांग की है। महिला चाहती हैं कि उनके और बेटे के बयान असमिया अनुवादक की सहायता से मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज हों। पूरी प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग कराने का अनुरोध भी किया गया है। जैनी प्रकरण पहली बार वर्ष 2003 में उत्तराखंड की राजनीति में सुर्खियों में आया था। उस समय हरक सिंह रावत तत्कालीन एनडी तिवारी सरकार में मंत्री थे। विवाद बढ़ने के बाद उन्हें मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। मामले की जांच सीबीआई को सौंपी गई थी। उस समय डीएनए परीक्षण में हरक सिंह रावत और बच्चे के नमूनों का मिलान नहीं होने की बात सामने आई थी।

इगास-बग्वाल पर देहरादून साइक्लिंग क्लब ने निकाली सांस्कृतिक जागरूकता साइकिल राइड

नगर संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की समृद्ध लोकसंस्कृति एवं पारंपरिक त्योहारों के संरक्षण और युवा पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने के उद्देश्य से इगास बग्वाल (बूढ़ी दिवाली) के पावन अवसर पर देहरादून साइक्लिंग क्लब द्वारा प्रेमनगर से मसूरी झील तक 60किलोमीटर लंबी विशेष साइकिल राइड का आयोजन किया गया। राइड प्रातः 5:30 बजे प्रेमनगर से प्रारंभ हुई। साइकिल सवारों ने पंडितवाड़ी, बल्लूपुर, गढ़ी कैंट, सप्लाई चौक, रॉबर्स केव, मसूरी रोड, शिव मंदिर एवं मसूरी टोल होते हुए मसूरी झील तक का सफर तय किया। इसके पश्चात सभी साइकिलिस्ट वापस देहरादून लौटे। राइड का नेतृत्व क्लब के वरिष्ठ साइकिलिस्ट सुरेंद्र कुमार एवं जयन्ती प्रसाद गौड़ ने किया।



इस अवसर पर वरिष्ठ साइकिलिस्ट सुरेंद्र कुमार ने कहा कि उत्तराखंड की लोकसंस्कृति और परंपराएं हमारी पहचान हैं। इन्हें संरक्षित करना और युवा पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। साइकिल राइड के माध्यम से हम स्वस्थ जीवनशैली के साथ-साथ अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति जागरूकता का संदेश भी दे रहे हैं।

वहीं वरिष्ठ साइकिलिस्ट जयन्ती प्रसाद गौड़ ने इगास पर्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में दीपावली के लगभग 11 दिन बाद कार्तिक शुक्ल एकादशी को इगास बग्वाल मनाई जाती है, जिसे बूढ़ी दिवाली भी कहा जाता है। एक लोकमान्यता के अनुसार भगवान श्रीराम के लंका विजय के बाद अयोध्या लौटने का समाचार पहाड़ों में 11 दिन बाद पहुंचा था, जिसके चलते यहां लोगों ने दीपावली का उत्सव बाद में मनाया। एक अन्य मान्यता वीर माधो सिंह भंडारी और उनकी सेना की विजय एवं घर वापसी से भी जुड़ी है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन हमारी लोक परंपराओं को जीवित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

क्लब अध्यक्ष हरिसिमरन सिंह ने वरिष्ठ साइकिलिस्टों एवं युवा टीम को इस सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि क्लब के वरिष्ठ सदस्यों का अनुभव और युवाओं का उत्साह सराहनीय है। इगास जैसे पारंपरिक पर्व पर इस प्रकार की साइकिल राइड आयोजित करना समाज में सकारात्मक संदेश देने के साथ-साथ उत्तराखंड की संस्कृति, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक एकता को बढ़ावा देने का सराहनीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि देहरादून साइक्लिंग क्लब भविष्य में भी सामाजिक, सांस्कृतिक एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े आयोजनों के माध्यम से जन-जागरूकता फैलाता रहेगा। इस अवसर पर सुरेंद्र कुमार, जयन्ती प्रसाद गौड़, हरिसिमरन सिंह, रिकी गोस्वामी, प्रणय पंत, आर्यन चौहान, आदर्श रावत, चित्रांग, अनमोल, मोहम्मद हारिस, आरती, वैभव रंजन, वेदांश थापा, नमन रौतेला सहित क्लब के अनेक वरिष्ठ एवं युवा साइकिलिस्ट उपस्थित रहे।

दून वैली मेल

संपादकीय

हिंसा का ठीकरा भारत पर क्यों?

बांग्लादेश एक बार फिर हिंसा, आगजनी और राजनीतिक टकराव के दौर में पहुंच गया है। सड़कों पर उतरते प्रदर्शनकारी, जलते वाहन, निशाने पर राजनीतिक प्रतिष्ठान और नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के पैतृक आवास में आगजनी की घटना बताती है कि वहां लोकतांत्रिक स्थिरता की राह अभी कितनी कठिन है। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम में सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान का भारत की ओर इशारा करना है। उन्होंने आरोप लगाया है कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनकी अवामी लीग के समर्थक सीमा पार अपने कथित आकाओं को खुश करने के लिए बांग्लादेश में साजिश और हिंसा को बढ़ावा दे रहे हैं। भले ही उन्होंने भारत का नाम सीधे नहीं लिया, लेकिन उनका संकेत स्पष्ट रूप से भारत की ओर था। सवाल यह है कि बांग्लादेश की आंतरिक राजनीतिक उथल-पुथल के बीच भारत को निशाने पर लेने की जरूरत क्यों महसूस हो रही है? दरअसल, बांग्लादेश का मौजूदा संकट उसकी अपनी राजनीतिक व्यवस्था की कमजोरियों से जुड़ा है। अगस्त 2024 में छात्र आंदोलन के बाद शेख हसीना की सत्ता का अंत हुआ और उन्हें भारत में शरण लेनी पड़ी। इसके बाद अंतरिम व्यवस्था और फिर चुनावी प्रक्रिया के जरिए तारिक रहमान सत्ता तक पहुंचे। लेकिन सत्ता परिवर्तन के साथ राजनीतिक असहमति, प्रतिशोध और संस्थागत अविश्वास समाप्त नहीं हुए। अवामी लीग की राजनीतिक गतिविधियों पर प्रतिबंध, शेख हसीना की प्रस्तावित वापसी और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई ने तनाव को और बढ़ाया है। अब अवामी लीग के राष्ट्रव्यापी बंद के आह्वान के बीच हिंसा और आगजनी की घटनाएं सामने आई हैं। ऐसे में सरकार की पहली जिम्मेदारी अपने देश में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और राजनीतिक असंतोष का लोकतांत्रिक समाधान तलाशने की होनी चाहिए। तारिक रहमान को यह समझना होगा कि भारत पर आरोप लगाने से बांग्लादेश की आंतरिक समस्याओं का समाधान नहीं होने वाला। यदि अवामी लीग के कार्यकर्ता हिंसा में शामिल हैं तो उनके खिलाफ निष्पक्ष जांच और कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। यदि किसी विदेशी ताकत की संलिप्तता के प्रमाण हैं तो उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किया जाना चाहिए। केवल संकेतों और राजनीतिक भाषणों के आधार पर पड़ोसी देश को कठघरे में खड़ा करना कूटनीतिक परिपक्वता नहीं कही जा सकती। यह भी समझना होगा कि भारत में शेख हसीना की मौजूदगी और बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति दो अलग-अलग विषय हैं। दोनों को एक साथ जोड़कर भारत विरोधी माहौल तैयार करना किसी भी लिहाज से दूरदर्शी नीति नहीं है। भारत और बांग्लादेश के संबंध केवल दो सरकारों के बीच के रिश्ते नहीं हैं। इनके साथ इतिहास, भूगोल, व्यापार, सुरक्षा, ऊर्जा, सीमा प्रबंधन और सांस्कृतिक संबंधों की लंबी कड़ी जुड़ी हुई है। 1971 में बांग्लादेश के निर्माण में भारत की भूमिका इतिहास का हिस्सा है। दोनों देशों के बीच करीब 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा है। ऐसे में बांग्लादेश की राजनीतिक अस्थिरता का प्रभाव भारत की सुरक्षा और पूर्वोत्तर क्षेत्र की परिस्थितियों पर भी पड़ सकता है। सीमा पार अवैध गतिविधियां, कट्टरपंथी तत्वों की सक्रियता, अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और क्षेत्रीय व्यापार जैसे सवाल भारत के लिए स्वाभाविक चिंता के विषय हैं। इसलिए ढाका की राजनीतिक अस्थिरता को भारत केवल पड़ोसी देश की आंतरिक समस्या मानकर नजरअंदाज नहीं कर सकता। तारिक रहमान की राजनीति के सामने भी कई चुनौतियां हैं। उन्हें एक ओर अपनी पार्टी और समर्थकों की अपेक्षाओं को पूरा करना है, दूसरी ओर आर्थिक मोर्चे पर रोजगार, महंगाई और औद्योगिक असंतोष से निपटना है। बांग्लादेश का वस्त्र उद्योग उसकी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। इस क्षेत्र में श्रमिकों का असंतोष और उत्पादन प्रभावित होने की स्थिति पहले से दबाव झेल रही अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर संकेत है। ऐसे समय में राजनीतिक हिंसा और भारत के साथ तनाव का नया मोर्चा खोलना बांग्लादेश के हित में नहीं होगा। किसी भी सरकार की लोकप्रियता का आधार पड़ोसी देश के खिलाफ बयानबाजी नहीं, बल्कि अपने नागरिकों को सुरक्षा, स्थिरता और आर्थिक अवसर उपलब्ध कराना होना चाहिए। भारत को भी इस पूरे घटनाक्रम में संयम और सतर्कता के साथ आगे बढ़ना होगा। उसे बांग्लादेश की संप्रभुता का सम्मान करते हुए अपनी सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों के प्रति स्पष्ट रहना होगा। ढाका के साथ संवाद के रास्ते खुले रखने होंगे, लेकिन किसी भी तरह के अनुचित दबाव या निराधार आरोपों को स्वीकार करने की बाध्यता नहीं हो सकती। भारत की कूटनीति का उद्देश्य किसी एक राजनीतिक दल या नेता का समर्थन करना नहीं, बल्कि बांग्लादेश में लोकतांत्रिक स्थिरता, शांति और समावेशी व्यवस्था को प्रोत्साहित करना होना चाहिए। बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति दक्षिण एशिया के लिए भी एक सबक है। सत्ता परिवर्तन यदि राजनीतिक प्रतिशोध का माध्यम बन जाए और असहमति को हिंसा से दबाने की कोशिश हो तो लोकतंत्र कमजोर होता है। तारिक रहमान को भारत पर उंगली उठाने से पहले अपने देश में जलती सड़कों, असुरक्षित नागरिकों और कमजोर होती राजनीतिक सहमति का जवाब देना चाहिए। पड़ोसी पर दोष मढ़कर अपनी जिम्मेदारियों से बचा जा सकता है, लेकिन देश के भीतर लगी आग नहीं बुझाई जा सकती। बांग्लादेश को इस समय भारत विरोधी बयानबाजी नहीं, बल्कि राजनीतिक संयम, लोकतांत्रिक सहिष्णुता और स्थिर शासन की जरूरत है।

सियासत की विरासत में 'अपने'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में 2027 का विधानसभा चुनाव केवल भाजपा और कांग्रेस के बीच सत्ता की लड़ाई नहीं होगा, बल्कि प्रदेश के कई राजनीतिक परिवारों के लिए अपनी विरासत बचाने और अगली पीढ़ी को सियासत में स्थापित करने की परीक्षा भी बनेगा। करीब ढाई दशक की प्रदेश की राजनीति में कई ऐसे परिवार हैं, जिनकी पहचान किसी एक नेता तक सीमित नहीं रही। अब इन परिवारों के बेटे-बेटियां और रिश्तेदार राजनीतिक जमीन पर अपनी जगह बनाने की कोशिश में हैं। कुछ चेहरे संगठन में सक्रिय हैं, कुछ चुनाव लड़ चुके हैं और कुछ को आगामी विधानसभा चुनाव में संभावित दावेदारों के रूप में देखा जा रहा है। ऐसे में 2027 का चुनाव तय करेगा कि राजनीतिक विरासत अगली पीढ़ी के लिए कितनी मददगार साबित होती है।

भाजपा में इस बार कई राजनीतिक परिवारों की अगली पीढ़ी को लेकर चर्चाएं तेज हैं। कालाढूंगी से सात बार विधायक रहे बंशीधर भगत ने अपने बेटे विकास भगत को 2027 में चुनाव लड़ाने की इच्छा जताई है। विकास भगत संगठन और युवा राजनीति में सक्रिय रहे हैं। चौबट्टाखाल में पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज के बेटे सुयश रावत की राजनीतिक सक्रियता भी चर्चा में है। पूर्व केंद्रीय मंत्री बच्ची सिंह रावत के बेटे शशांक रावत को भी रानीखेत की राजनीति में संभावित चेहरे के तौर पर देखा जा रहा है। वह भाजपा युवा मोर्चा की प्रदेश इकाई में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा चुके हैं। देहरादून कैंट की राजनीति में विधायक सविता कपूर के बेटे अमित कपूर का नाम भी चर्चा में है। वहीं पूर्व मंत्री बिशन सिंह चुफाल की बेटी दीपिका चुफाल को लेकर भी राजनीतिक हलकों में संभावनाएं जताई जा रही हैं। भाजपा में कुछ राजनीतिक परिवार ऐसे भी हैं, जिनकी अगली पीढ़ी पहले ही सत्ता और संगठन में अपनी जगह बना चुकी है। पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा के बेटे सौरभ बहुगुणा कैबिनेट मंत्री हैं, जबकि पूर्व मुख्यमंत्री बीसी खंडूड़ी की बेटी ऋतु खंडूड़ी भूषण विधानसभा अध्यक्ष और विधायक हैं। गणेश जोशी की बेटी नेहा जोशी भी संगठन में सक्रिय हैं। यानी भाजपा में राजनीतिक विरासत का सवाल केवल

◆किसी को पिता की राजनीतिक जमीन बचाने की चुनौती
◆प्रदेश की विरासत को चुनावी ताकत में बदलने की दरकार
◆भाजपा और कांग्रेस दोनों में दूसरी पीढ़ी की दावेदारी तेज

संभावित टिकट तक सीमित नहीं, बल्कि अगली पीढ़ी की संगठनात्मक और राजनीतिक स्वीकार्यता से भी जुड़ा है।

कांग्रेस में राजनीतिक विरासत की सबसे ज्यादा चर्चा पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के परिवार को लेकर है। उनकी बेटी अनुपमा रावत हरिद्वार ग्रामीण से विधायक हैं। बड़े बेटे वीरेंद्र रावत 2024 के लोकसभा चुनाव में हरिद्वार सीट से कांग्रेस प्रत्याशी रहे, जबकि छोटे बेटे आनंद रावत भी युवा कांग्रेस और प्रदेश संगठन में सक्रिय रहे हैं। हरीश रावत सार्वजनिक रूप से आनंद रावत को 2027 के विधानसभा चुनाव में अवसर देने की इच्छा जता चुके हैं। ऐसे में कांग्रेस के भीतर एक परिवार से एक टिकट के सिद्धांत और हरदा परिवार की राजनीतिक दावेदारी के बीच संतुलन बनाना नेतृत्व के लिए चुनौती हो सकता है। कांग्रेस में दूसरी पीढ़ी के कई चेहरे पहले ही अपनी पहचान बना चुके हैं। पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वर्गीय इंदिरा हृदयेश के बेटे सुमित हृदयेश हल्द्वानी से विधायक हैं। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य के बेटे संजीव आर्य पूर्व विधायक रह चुके हैं। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह के बेटे अभिषेक सिंह भी प्रदेश संगठन में जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। हालांकि कांग्रेस में परिवारवाद और एक परिवार-एक टिकट का सवाल लगातार राजनीतिक बहस का विषय बना हुआ है। पार्टी के सामने चुनौती यह है कि वरिष्ठ नेताओं की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने के साथ नए और गैर-राजनीतिक पृष्ठभूमि के कार्यकर्ताओं को भी अवसर दिया जाए।

दरअसल, उत्तराखंड की राजनीति में राजनीतिक परिवारों का प्रभाव नया नहीं है। राज्य गठन के बाद से ही प्रदेश की राजनीति में कुछ परिवार लगातार प्रभावशाली रहे हैं। इन परिवारों को संगठनात्मक नेटवर्क, राजनीतिक संपर्क और क्षेत्रीय पहचान का लाभ मिलता रहा है। लेकिन बदलते चुनावी माहौल में केवल किसी बड़े नेता का बेटा या बेटी होना टिकट और जीत की गारंटी नहीं रह गया है। मतदाता अब उम्मीदवार की अपनी सक्रियता, क्षेत्र में पकड़, जनसंपर्क और कामकाज को भी कसौटी पर कस रहे हैं। भाजपा के सामने सत्ता में लगातार तीसरी बार वापसी का लक्ष्य है। ऐसे में पार्टी के लिए पुराने चेहरों के स्थान पर नई पीढ़ी को मौका देने और मौजूदा विधायकों की दावेदारी के बीच संतुलन बनाना आसान

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

सवालों के 'घेरे' में धामी सरकार

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में 2027 के विधानसभा चुनाव की आहट के साथ ही सियासी तापमान बढ़ने लगा है। भाजपा जहां लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी और 65 पार के लक्ष्य के साथ चुनावी जमीन तैयार कर रही है, वहीं विपक्ष ने सरकार को घेरने के लिए मुद्दों की लंबी फेहरिस्त तैयार कर ली है। भ्रष्टाचार, महिला अपराध, बिगड़ती कानून व्यवस्था, जमीनों की खरीद-फरोख्त और धार्मिक स्थलों में चढ़ावे की कथित चोरी जैसे मामले अब राजनीतिक बहस के केंद्र में हैं। इन मुद्दों ने सरकार के सामने केवल राजनीतिक चुनौती नहीं खड़ी की है, बल्कि शासन-प्रशासन की कार्यशैली और जवाबदेही को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं।

प्रदेश में भ्रष्टाचार का मुद्दा विपक्ष के हमले का सबसे प्रभावी हथियार बनता जा रहा है। कांग्रेस लगातार सरकारी विभागों में कथित अनियमितताओं, भर्ती प्रक्रियाओं, निर्माण कार्यों और प्रशासनिक फैसलों को लेकर सरकार पर सवाल उठा रही है। विपक्ष का आरोप है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टालरेंस की घोषणाओं के बावजूद व्यवस्था में अपेक्षित बदलाव दिखाई नहीं दे रहा है। सरकार अपनी ओर से भ्रष्टाचार के मामलों में कार्रवाई और पारदर्शिता का दावा करती रही है, लेकिन विपक्ष का सवाल है कि कार्रवाई केवल छोटे कर्मचारियों तक सीमित क्यों दिखाई देती है और बड़े मामलों में जवाबदेही किसकी तय होगी? यही सवाल अब चुनावी बहस का हिस्सा बनता जा रहा है।

महिला सुरक्षा का सवाल भी सरकार के लिए बड़ी चुनौती है। अंकिता भंडारी प्रकरण ने प्रदेश की राजनीति में पहले ही गहरी छाप छोड़ी है। इस मामले में वीआईपी की कथित भूमिका और सीबीआई जांच को लेकर उठती मांगों ने सरकार को

◆मुद्दों की बढ़ती फेहरिस्त से विपक्ष को मिला हमला करने का मौका
◆विपक्ष ने भ्रष्टाचार से महिला अपराध तक की सरकार की घेराबंदी
◆जमीनों की खरीद-फरोख्त, चढ़ावे में कथित गड़बड़ी बना हथियार

लगातार विपक्ष के निशाने पर रखा है। महिला अपराधों की घटनाएं सामने आने पर कांग्रेस सरकार की कानून व्यवस्था और महिलाओं की सुरक्षा के दावों पर सवाल उठा रही है। विपक्ष का कहना है कि देवभूमि में महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान केवल भाषणों का विषय नहीं होना चाहिए। दूसरी ओर सरकार महिला अपराधों पर सख्त कार्रवाई और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने का दावा करती है। लेकिन सवाल यह है कि सरकारी दावों और महिलाओं के मन में सुरक्षा के भरोसे के बीच की दूरी कैसे कम होगी?

उत्तराखंड में जमीनों की खरीद-फरोख्त और भू-कानून का मुद्दा भी राजनीतिक बहस के केंद्र में है। राज्य की जमीनों को लेकर स्थानीय लोगों की चिंता, बाहरी निवेश और जमीनों के व्यावसायिक इस्तेमाल को लेकर उठते सवाल सरकार के लिए चुनौती बन रहे हैं। विपक्ष का आरोप है कि विकास और निवेश के नाम पर जमीनों के कारोबार को बढ़ावा दिया जा रहा है, जबकि स्थानीय लोगों के हित और पहाड़ की जमीन की सुरक्षा को पर्याप्त प्राथमिकता नहीं मिल रही। मसूरी, देहरादून और अन्य क्षेत्रों में जमीनों से जुड़े विवादों ने इस बहस को और धार दी है। कांग्रेस भूमि संबंधी मामलों को लेकर सरकार को घेर रही है। सरकार की ओर से निवेश और विकास परियोजनाओं को रोजगार तथा आर्थिक गतिविधियों से जोड़कर देखा जा रहा है। ऐसे में चुनाव से पहले जमीन का सवाल केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक और राजनीतिक मुद्दा भी बन सकता है।

धार्मिक स्थलों में चढ़ावे की कथित चोरी और अनियमितताओं के मामले ने भी सरकार की मुश्किलें बढ़ाई हैं। देवभूमि की धार्मिक आस्था और मंदिरों से जुड़े आर्थिक प्रबंधन पर सवाल उठना संवेदनशील विषय है। श्रद्धालुओं की ओर से चढ़ाए गए धन और संपत्ति के प्रबंधन में पारदर्शिता की मांग अब सार्वजनिक बहस का हिस्सा बन रही है। विपक्ष इसे धार्मिक आस्था से जुड़े संस्थानों की व्यवस्था पर सरकार की निगरानी और जवाबदेही से जोड़कर उठा रहा है। हालांकि ऐसे मामलों में आरोपों और प्रमाणित तथ्यों

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर


उत्तराखण्ड शासन
समस्त प्रदेशवासियों को
उत्तराखण्ड
के लोकपर्व
नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री
इगास बग्वाल
(बूढ़ी दिवाली)
की हार्दिक बधाई
एवं शुभकामनाएं ।
इगास बग्वाल केवल एक त्यौहार नहीं, बल्कि हमारी लोक संस्कृति, परंपरा और पूर्वजों के आशीर्वाद का प्रतीक है। भैलो खेलना, पारंपरिक व्यंजन, लोकगीत और अपनों से मिलना यही हमारी पहचान है। मेरी कामना है कि यह लोकपर्व आपके जीवन में सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली लेकर आए। भगवान बद्री-केदार की कृपा से हमारा उत्तराखण्ड निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहे।आइए, हम सभी मिलकर अपनी लोक संस्कृति को जीवित रखें और आने वाली पीढ़ी को इससे जोड़ें।
पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड
सूचना एवं लोक संपर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी।
www.uttarainformation.gov.in DIPR_UK UttarakhandDIPR UttarakhandDIPR

ग्रामीण महिलाओं को डिजिटल रूप से सक्षम बनाने वाली डिजिटल सखी कार्यशाला का पहला चरण संपन्न

अल्मोड़ा(आरएनएस)। सेंट्रल हिमालयन एनवायरनमेंट एसोसिएशन (चिया) की ओर से संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के सहयोग से आयोजित 'डिजिटल सखी प्रशिक्षण एवं क्षमता वर्धन कार्यशाला' का प्रथम चरण गुरुवार को संपन्न हुआ। चार दिवसीय प्रशिक्षण 16 नवंबर से शुरू हुआ था, जिसमें अल्मोड़ा जनपद की ग्राम पंचायत बजीना, ख्यूशालकोट, बमस्यूं और ईड़ा की ग्रामीण महिलाओं ने प्रतिभाग किया।

प्रशिक्षण का उद्देश्य महिलाओं को डिजिटल तकनीक के प्रति जागरूक करने, सरकारी सेवाओं तक उनकी पहुंच बढ़ाने, डिजिटल वित्तीय लेन-देन में सक्षम बनाने तथा स्वरोजगार और आजीविका के नए अवसरों से जोड़ना रहा। प्रशिक्षण के दौरान स्मार्टफोन के बुनियादी उपयोग, मोबाइल सेटिंग्स, तकनीकी समस्याओं के समाधान, व्हाट्सएप, जीमेल, ई-मेल और डिजिलॉकर के उपयोग का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। यूएनडीपी के सुमित सोनी और सत्य प्रिया ने %अपणी सरकार% पोर्टल और उमंग ऐप के उपयोग की जानकारी दी। महिलाओं को मौसम एवं आपदा संबंधी जानकारी के लिए मेघदूत और दामिनी ऐप, सीएससी ऑनलाइन बुकिंग, मनरेगा एवं वीबी-राम जी, एसएमएएम योजना तथा ड्रोन दीदी पहल के बारे में भी बताया गया।

साइबर सेल के निरीक्षक बी.एल. कुशवाह ने डिजिटल सुरक्षा, साइबर धोखाधड़ी से बचाव, सुरक्षित डिजिटल लेन-देन और व्यक्तिगत जानकारी की गोपनीयता से संबंधित जानकारी दी। वहीं सीएससी मंगोली के संचालक आनंद मेहरा ने कॉमन सर्विस सेंटर से मिलने वाली विभिन्न सेवाओं की जानकारी दी। चिया के प्रभारी अधिशासी निदेशक कुंदन बिष्ट ने कहा कि %डिजिटल सखी% प्रशिक्षण ग्रामीण महिलाओं को डिजिटल रूप से सक्षम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इससे महिलाएं स्वयं डिजिटल सेवाओं का उपयोग करने के साथ अपने गांव की अन्य महिलाओं और ग्रामीण समुदाय को भी इन सेवाओं से जोड़ सकेंगी।

समापन सत्र की अध्यक्षता चिया के अवैतनिक सचिव प्रो. आशीष तिवारी ने की। कार्यक्रम का संचालन यूएनडीपी के डॉ. प्रदीप मेहता, काव्या मोहन और चिया की परियोजना सहायक मनीषा पंत ने किया। इस अवसर पर चिया की दीपा उपाध्याय, धीरज जोशी, विनीता वर्मा, पंकज बजकेती, राम सिंह और नीमा रौतेला भी उपस्थित रहे।

विस्तारित प्रदेश कार्यसमिति में बनेगी 2027 की जीत की रणनीति : भाजपा

हरिद्वार(आरएनएस)। भाजपा की हरिद्वार में होने वाली विस्तारित प्रदेश कार्यसमिति की बैठक को आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों के लिहाज से अहम माना जा रहा है। बैठक में संगठन की आगामी रणनीति, चुनावी तैयारियों और कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों पर मंथन होगा।

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि हरिद्वार में आयोजित होने वाली यह कार्यसमिति 2027 की जीत का मार्ग प्रशस्त करेगी। शुक्रवार को प्रेमनगर आश्रम में कार्यसमिति की तैयारियों और व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने पहुंचे सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने बताया कि 21 नवंबर को पार्टी के सभी मोर्चों और प्रकोष्ठों की कार्यसमिति की बैठकें होंगी, जबकि 22 नवंबर को विस्तारित प्रदेश कार्यसमिति आयोजित की जाएगी। इसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, प्रदेश प्रभारी राम माधव और सह प्रभारी बांसुरी स्वराज समेत पार्टी के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 22 नवंबर को हरिद्वार पहुंचकर बैठक में प्रतिभाग करेंगे। कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक ने कहा कि विस्तारित प्रदेश कार्यसमिति में आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों, चुनावी रणनीति और संगठन की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि बैठक में संगठन को मजबूत करने और चुनाव के लिए कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने पर भी मंथन होगा।

इस दौरान सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने आयोजन स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक, प्रदेश मीडिया प्रभारी विकास तिवारी, सुशील त्यागी, जिला महामंत्री हीरा सिंह बिष्ट, संजीव चौधरी, जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा, गौरव वर्मा समेत पार्टी के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

कांग्रेस का हस्ताक्षर अभियान पहुंचा डोईवाला

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस द्वारा प्रदेश की भाजपा सरकार के विरूद्ध हस्ताक्षर अभियान की मुहिम डोईवाला विधानसभा में कार्यक्रम किया गया।



आज प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित किए जा रहे प्रदेश की भाजपा सरकार के विरुद्ध हस्ताक्षर अभियान की मुहिम को डोईवाला विधानसभा में आगे बढ़ते हुए हस्ताक्षर अभियान कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए पूर्व राज्य मंत्री व वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनीष कुमार ने कहा कि भाजपा सरकार ने स्वर्गीय अंकिता भंडारी हत्याकांड में आज तक वीआईपी को बचाए रखा है वीआईपी का नाम आज तक सार्वजनिक नहीं होने दिया और उसको दंडित नहीं किया है प्रदेश के अंदर जिस प्रकार से बहन बेटियों का उत्पीड़न शोषण और हत्याएं हुई है वह किसी से भी छुपी हुई नहीं है। आज तक वीआईपी बचा हुआ है सरकार ने पूरा जोर लगा रखा है और वीआईपी को बचाने का काम किया है। दूसरा इस सरकार में जब सरकार के एक मंत्री के पति ने ही उस पर 210 करोड़ की अकूत संपत्ति का आरोप लगाया तो उसके विरूद्ध भी सरकार ने कोई कार्यवाही नहीं की है और उस मामले में मौन हो गई कांग्रेस कार्यकर्ता जब उसके विरोध मे आवाज उठाते हैं तो उनकी आवाज को दबाने का कार्य किया जाता है। इतनी संपत्ति इस मंत्री ने अपने कार्यकाल में ही बनाई है जो प्रदेश की जनता के सामने आ चुकी है और जनता ने देख लिया है किस प्रकार से इन्होंने भ्रष्टाचार करके यह अकूत संपत्ति बनाई है। तीसरा कृषि मंत्री गणेश जोशी के ऊपर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों पर भी यह सरकार चुप्पी सादे हुए हैं और उनके विरूद्ध भी कोई कार्यवाही आज तक नहीं हुई है। सरकार केवल उक्त मंत्री को बचाने के प्रयास में लगी हुई है चौथे इस सरकार में जिस प्रकार से भय, भूख और भ्रष्टाचार हत्या अपराध बड़े हैं वह किसी से छुपा हुआ नहीं है हर जगह भ्रष्टाचार की आमद हो चुकी है कोई भी कार्य बिना पैसा दिए नहीं किया जाता। कांग्रेस कार्यकर्ता मांग करते हैं की इन लोगों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। बीजेपी लगातार आमजन के साथ-साथ राजनीतिक दलों के नेताओं खास करके कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का भी उत्पीड़न करने में लगी हुई है परंतु कांग्रेस कार्यकर्ता राहुल गांधी के कार्यकर्ता है और किसी भी हाल में और किसी से भी डरने वाले नहीं है। आज यहां डोईवाला में यह हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से हम जनता के बीच में आए हैं और हम जनता से ही आवाहन करते हैं की आने वाले विधानसभा चुनाव में जनता इनको उचित सबक सिखाएं और इनकी कथनी करनी जो जनता देख चुकी है वह सबके सामने है भाजपा की भ्रष्टचारी छवि सबके सामने आ चुकी हैं। कार्यक्रम के संयोजक उत्तराखंड संयुक्त संघर्ष समिति के प्रवक्ता और मनरेगा के जिला अध्यक्ष रविंद्र बर्त्वाल ने भी भाजपा सरकार की कड़े शब्दों में निंदा की और सबसे आह्वान किया कि वह एकजुट होकर भाजपा सरकार की भ्रष्टाचारी और हत्यारी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए सड़कों पर आए और इनको सबक सिखाए।

स्मैक के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सहसपुर थाना पुलिस ने नए हाइवे पर एक स्कूटी सवार को रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह स्कूटी को तेजी से भगा ले गया। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 11.35 ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम राकेश पुत्र मुंशीराम निवासी देवी नगर पांवटा साहिब बताया।

वारंटी गिरफ्तार

संवाददाता

टिहरी। पुलिस ने फौजदारी के मामले में वारंटी को गिरफ्तार कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।



मिली जानकारी के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक टिहरी गढ़वाल श्रीमती श्वेता चौबे के निर्देशन में जनपद में वांछित एवं वारंटी की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान ऑपरेशन प्रहार के तहत टिहरी पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना घनसाली पुलिस द्वारा न्यायालय से जारी गिरफ्तारी वारंट की तामील करते हुए फौजदारी के मुकदमें से संबंधित वारंटी कमल लाल पुत्र सोणू लाल निवासी भेटी, पट्टी ग्यारहगांव, थाना घनसाली, जनपद टिहरी गढ़वाल को घनसाली क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार व्यक्ति को आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के उपरांत न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

रेखा आर्य पीआरडी जवानों को हक देकर अपने गुनाह का करें पश्चातापः मोर्चा

संवाददाता

देहरादून। जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि मंत्री रेखा आर्य पीआरडी जवानों को हक देकर अपने गुनाह का पश्चाताप करें।



आज यहां जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि प्रदेश भर के पीआरडी जवान अपनी मांगों को लेकर आंदोलित हैं,लेकिन इनका दर्द युवा कल्याण मंत्री रेखा आर्य को दिखाई नहीं दे रहा है, ये सिर्फ और सिर्फ अपने आर्थिक संसाधन मजबूत करने पर जुटी हुई हैं। इन पीआरडी जवानों को एक वर्ष में जहां मात्र चार-पांच महीने ही काम मिलता है वहीं दूसरी ओर इतने कम मानदेय में परिवार चलाना बहुत ही दुष्कर कार्य है। क्यों इन जवानों को साल दर साल काम नहीं मिलता। नेगी ने कहा कि हाल ही में इनके पति द्वारा खुलासा किया गया कि श्रीमती आर्य द्वारा करोड़ों रुपए की अवैध कमाई की गई है। ये काली कमाई आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से गरीब महिलाओं और बच्चों को वितरित होने वाली खाद्य सामग्री/ सूट- साड़ियां/ मोबाइल आदि की खरीद के जरिए ली गई कमीशन खोरी के माध्यम से इकट्ठा की गई है। नेगी ने कहा कि जो महिला 15- 20 साल पहले दाने-दाने को मोहताज थी, आज कैसे/ कहां से करोड़ों रुपए की मालकिन बन बैठी! क्या इनको सिर्फ कमीशन खोरी के लिए ही मंत्री बनाया गया था! क्यों इनको अपने विभाग के कार्मिकों के हितों की चिंता नहीं है! मोर्चा ने मंत्री रेखा आर्य को नसीहत देते हुए कहा कि अपने गुनाहों का पश्चाताप इन पीआरडी जवानों को इंसाफ दिलाकर ही कर ले। पत्रकार वार्ता में- हाजी असद व प्रवीण शर्मा पिन्नी मौजूद थे।

जूही चावला : कयामत से कयामत तक से मिली बड़ी पहचान

जब बात सादगी, बेमिसाल खूबसूरती और खिलखिलाती हंसी की होती है, तो भारतीय सिनेमा में सिर्फ एक ही नाम जहन में आता है। 1984 में मिस इंडिया का ताज पहनने से लेकर कयामत से कयामत तक के जरिए करोड़ों दिलों की धड़कन बनने तक, उन्होंने हर किरदार में जान फूंकी है। यह बात हो रही है, अपनी लाजवाब कॉमिक टाइमिंग और संजीदा अभिनय से 90 के दशक पर राज करने वाली अभिनेत्री जूही चावला की। 13 नवंबर 1967 को हरियाणा के अंबाला में जन्मी जूही चावला ने अपनी पढ़ाई मुंबई में की। पिता चाहते थे कि जूही चावला बहुत पढ़े और आईएएस बने या एमबीए करे। मां की इच्छा थी कि जूही मार्केटिंग सेक्टर में करियर बनाए। मगर स्कूल के बाद कॉलेज में पढ़ाई करते हुए ही उनकी जिंदगी में ऐसे चमत्कार हुए, जिसने उन्हें पहले मिस इंडिया और फिर एक बेहतरीन अभिनेत्री बना दिया। जूही चावला ने एक इंटरव्यू में कहा था, मेरी यह कोशिश रही कि मैं जो भी काम करूं, वो थोड़ा अच्छा करूं। इसकी शुरुआत स्कूल में हुई। मेरे बड़े भाई थोड़े मस्तीखोर थे और मां उन्हें बहुत डांटती थीं। मां की डांट का असर भाई पर तो नहीं हुआ, लेकिन मैंने उसे गंभीरता से लिया। इसी का नतीजा था कि मैं स्कूल में अच्छी छात्रा बनी। जब भी परीक्षा होती थी तो पहले पढ़ाई करके जाती थी।

फिल्मों में आने से पहले मिस इंडिया बनने की भी उनकी कहानी दिलचस्प है। इंटरव्यू में जूही चावला ने बताया था, मैं शायद इस बारे में नहीं सोच रही थी। कॉलेज के समय में एक कॉन्टेस्ट हुआ था, जिसमें मैंने हिस्सा लिया था। उसमें मैं अव्वल आई। उसी समय कॉलेजों में मिस इंडिया के लिए फॉर्म भरे जा रहे थे। इसमें मेरी कुछ दोस्त हिस्सा लेना चाह रही थीं और उन्हीं को देखते हुए मैंने भी हिस्सा लिया। मैंने अपनी दोस्तों को देखकर सोचा था कि अगर ये कर सकती हैं तो मैं भी कर सकती हूं। इसी मस्ती-मस्ती में एक चमकता हुआ सितारा मिल गया था और जूही चावला मिस इंडिया बन गईं। जूही चावला ने कहा, मिस इंडिया बनने के बाद जिंदगी बदल चुकी थी। मैं बहुत खुश थी, लेकिन यह भरोसा नहीं हो रहा था कि मेरे साथ यह क्या हुआ है। मैं सोच रही थी कि उस समय भगवान ने कुछ तो चमत्कार किया। फिल्मों में जब जूही चावला को मौका मिला तो उन्होंने 1986 की फिल्म सल्तनत से शुरुआत की। फिल्म करते समय वे शूटिंग के दौरान सेट पर नर्वस रहती थीं। इंटरव्यू में जूही चावला ने बताया था, मैं सल्तनत फिल्म की शूटिंग के समय, जिसमें बड़े कलाकार थे, कांपती थी।

सल्तनत के बाद जूही को एक के बाद एक फिल्में मिलने लगी थीं। फिल्म इंडस्ट्री से उनका और उनके परिवार को कोई पहले रिश्ता नहीं था। इसके बावजूद उन्हें फिल्मों से, यहां तक कि टेलीविजन से ऑफर मिलने लगे थे। उन्होंने वी. रविचंद्रन की फिल्म प्रेम लोक में काम किया था, जिसने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया था। फिल्म कयामत से कयामत तक में रोल मिला तो टेलीविजन सीरियल्स से जूही चावला दूरी बनाकर आगे बढ़ गईं। इसका श्रेय उन्होंने बीआर चोपड़ा को दिया। साल 1988 की फिल्म कयामत से कयामत तक से आमिर खान भी अपनी शुरुआत कर रहे थे। दोनों की शुरुआत ऐसी चली कि उनकी यह जोड़ी बॉक्स ऑफिस पर सिर चढ़कर बोलने लगी थी। माधुरी दीक्षित या श्रीदेवी जैसी अभिनेत्रियों के दौर में भी जूही ने अपनी छवि, खूबसूरत मुस्कान और शानदार कॉमिक टाइमिंग से अलग पहचान बनाई। उन्होंने बोल राधा बोल और हम हैं राही प्यार के जैसी फिल्मों में जबरदस्त कॉमेडी से दर्शकों का दिल जीता। उनके करियर की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि उन्होंने अन्य अभिनेत्रियों के मुकाबले बोल्ड या टिपिकल ग्लैमरस दिखने की होड़ से खुद को अलग रखा।

37 साल बाद सूरज बड़जात्या ने फिर याद दिलाई मैंने प्यार किया' की एक खास बात!

साल 1989 में आई फिल्म %मैंने प्यार किया' को 37 साल हो गए हैं। इस फिल्म से सूरज बड़जात्या ने बतौर निर्देशक अपने करियर की शुरुआत की थी। अब वह अपनी आने वाली फिल्म %ये प्रेम मोल लिया' में अपनी पहली फिल्म से जुड़ी एक खास चीज लेकर आ रहे हैं। खबरों के मुताबिक, %मैंने प्यार किया' में दिखाई गई गणपति की मूर्ति अब उनकी नई फिल्म में भी नजर आएगी। सूरज बड़जात्या के लिए यह उनकी पहली फिल्म की यादों को फिर से ताजा करने जैसा है। सलमान खान और भाग्यश्री की फिल्म %मैंने प्यार किया' को दर्शकों ने बहुत पसंद किया था। यह हिंदी सिनेमा की यादगार प्रेम कहानियों में से एक है। अब 37 साल बाद सूरज बड़जात्या अपनी नई पारिवारिक फिल्म में उसी फिल्म से जुड़ी एक खास चीज दिखाने जा रहे हैं। %मैंने प्यार किया' देखने वाले दर्शकों के लिए यह काफी खास होगा। दोनों फिल्में अलग-अलग समय में बनी हैं, लेकिन गणपति की यह मूर्ति उन्हें एक-दूसरे से जोड़ती है। सूरज बड़जात्या की फिल्मों में हमेशा परिवार, पूजा-पाठ और पुरानी परंपराओं को खास जगह दी जाती है। यह मूर्ति भी उनकी फिल्मों से जुड़ी इसी सोच को दिखाती है। सच ही है, कुछ चीजें और कुछ परंपराएं हमेशा संभालकर रखनी चाहिए। आयुष्मान खुराना और शरवरी की मुख्य भूमिका वाली फिल्म %ये प्रेम मोल लिया' से सूरज बड़जात्या एक बार फिर दर्शकों के लिए पारिवारिक कहानी लेकर आ रहे हैं। फिल्म में अनूपम खेर, सुप्रिया पाठक, सीमा पाहवा, सौम्या टंडन, स्वानंद किरकिरे और कई दूसरे कलाकार भी नजर आएंगे। इस फिल्म को राजश्री प्रोडक्शंस और महावीर जैन फिल्म्स मिलकर बना रहे हैं। फिल्म 27 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

इंडियन आइडल के मंच पर भावुक हुई उर्मिला मतोंडकर, हिंदी सिनेमा और संगीत की सराहना की



अभिनेत्री उर्मिला मतोंडकर हाल ही में सिंगिंग रियलिटी शो इंडियन आइडल लेजेंड्स रिटर्न में गेस्ट के तौर पर शिरकत की। शो में उन्होंने संगीत की विरासत और इंडियन म्यूजिक इंडस्ट्री को आकार देने वाले कलाकारों की सराहना की। शो में उर्मिला ने हिंदी सिनेमा से अपने पर्सनल कनेक्शन के बारे में बात की और बताया कि कैसे म्यूजिक पर्दे पर इमोशन्स और कहानियों को जिंदा करने में अहम भूमिका निभाता है। उर्मिला ने कहा, इंडियन आइडल लेजेंड्स रिटर्न का हिस्सा बनना मेरे लिए काफी पर्सनल रहा है। हिंदी सिनेमा के जादू को करीब से देखने के बाद मैं जानती हूं कि म्यूजिक किसी फिल्म को कितनी गहराई से बदल सकता है, किसी पल को खास बना सकता है और कहानी खत्म होने के बाद भी लोगों के दिलों में बस सकता है।

अभिनेत्री ने गानों की महत्ता पर बात करते हुए कहा, कई बार कोई विजुल्स वो बात नहीं कह पाते हैं, जो आवाज कह जाती है। जैसे, किसी सीन में दुख, प्यार या खुशी दिखाया जा रहा हो लेकिन जब उस पर एक अच्छा गाना बजता है, तो वो फीलिंग सीधे दिल तक पहुंच जाती है। इसीलिए म्यूजिक हमारी फिल्मों का इतना जरूरी हिस्सा है और जब हम उन पुराने गायकों को फिर से स्टेज पर लौटते देखते हैं, तो अपनी पुरानी यादें ताजा करते हैं।

उन्होंने कहा, पुराने गायकों की आवाजें दर्शकों की यादों का हिस्सा रही हैं और उन्हें फिर से एक साथ देखना ऐसा लगा जैसे टैलेंट, म्यूजिक और इंडियन आइडल फैमिली का एक खूबसूरत रीयूनियन देख रही हूं। सिंगिंग रियलिटी शो इंडियन आइडल लेजेंड्स रिटर्न शनिवार और रविवार को रात 8:00 बजे प्रसारित होता है। इसमें जाने-माने गायक और संगीतकार हिमेश रेशमिया मुख्य जज के रूप में नजर आ रहे हैं और शो को आदित्य नारायण होस्ट कर रहे हैं।

इसमें हिमेश रेशमिया के साथ इंडियन आइडल के 24 पुराने और जाने-माने कंटेस्टेंट्स (महारथी सिंगर्स) ने हिस्सा लिया। इनमें अभिजीत सावंत, अमित सना, सलमान अली, सायली कांबले, ऋषि सिंह, पवनदीप राजन और सलमान अली जैसे लोकप्रिय चेहरे शामिल हैं। इन कंटेस्टेंट्स ने आपस में जोड़ियां बनाकर डिएट्स प्रस्तुत किए, जिनका मूल्यांकन आपसी (पीयर स्कोर) और एक गुप्त जज के स्कोर के आधार पर हुआ।

क्या शराबी में सच में नशे में थे बिग बी?



अमिताभ बच्चन अपनी फिल्म शराबी में शराब के नशे में नजर आए थे, लेकिन क्या इसके लिए उन्होंने सच में शराब पी थी?

यह सवाल हाल ही में कौन बनेगा करोड़पति के मंच पर उठा। शो के एक कंटेस्टेंट ने अमिताभ से उनकी इस फिल्म में शानदार अभिनय को लेकर सवाल किया। इस पर बिग बी ने अपने मजाकिया अंदाज में जवाब देते हुए साफ किया कि उन्होंने फिल्म में शराब पीकर अभिनय नहीं किया था, बल्कि यह सब उनकी अदाकारी का हिस्सा था। बिग बी ने फिल्म की कहानी और दिवंगत अभिनेता ओम प्रकाश के साथ अपने किरदार के रिश्ते को भी याद किया।

दरअसल, कौन बनेगा करोड़पति सीजन 18 के सेट पर वीडियो कॉल के दौरान कंटेस्टेंट बिमल ने अमिताभ बच्चन से उनकी पुरानी फिल्म शराबी का जिक्र किया। बिमल ने बताया कि वह इस फिल्म को कम से कम 50 बार देख चुके हैं। इसके बाद उन्होंने अमिताभ से पूछा कि फिल्म में उनका नशे में रहने वाला अंदाज स्वाभाविक था या फिर पूरी तरह अभिनय का हिस्सा था।

इस सवाल पर अमिताभ ने हंसते हुए कहा, क्योंकि आपने सवाल पूछा है, तो हम उसका जवाब देंगे, साहब। हमने शराब पीकर एक्टिंग नहीं की है। वह जो भी है, केवल नाटक है।'

अमिताभ ने कहा, वह एक्टिंग नहीं थी, उसकी कहानी हमें बहुत पसंद है। खासकर उसमें जो पिता और बेटे का रिश्ता दिखाया गया है, वह हमें बहुत अच्छा लगा। ओम प्रकाश के साथ जो मित्रता और उनकी भूमिका है, वह भी हमें बहुत पसंद है।'

बता दें कि फिल्म शराबी साल 1984 में रिलीज हुई थी। प्रकाश मेहरा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अमिताभ बच्चन के साथ जया प्रदा, प्राण और ओम प्रकाश अहम भूमिकाओं में थे। फिल्म में अमिताभ ने एक अमीर कारोबारी के बेटे विक्की कपूर का किरदार निभाया था, जो अपने पिता से भावनात्मक दूरी के कारण शराब का सहारा लेता है। फिल्म में पिता-पुत्र के रिश्ते और विक्की की जिंदगी के कई भावनात्मक पहलुओं को दिखाया गया था।

कौन बनेगा करोड़पति सीजन 18 सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर प्रसारित होता है।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर एक की मौत

संवाददाता

देहरादून। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर एक की मौत हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बडोवाला निवासी आंचल ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पति पैदल घर की तरफ आ रहे थे। जब वह शिमला बाईपास रोड झीवरेडी तेलपुर के पास पहुंचे तभी अज्ञात वाहन ने उनको टक्कर मार दी जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ट्रेक्टर ट्राली की चपेट में आकर स्कूटी सवार की मौत

संवाददाता

देहरादून। ट्रेक्टर ट्राली की चपेट में आकर स्कूटी सवार की मौत हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बापू नगर जाखन निवासी जोगिन्दर सिंह जायसवाल ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका पुत्र नितिन अपनी स्कूटी से घर की तरफ आ रहा था। जब वह राष्ट्रपति आशियाने के पास पहुंचा तभी सामने से आ रही ट्रेक्टर ट्राली ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मंडी गेट से मोटरसाईकिल चोरी

संवाददाता

देहरादून। रामपुर मंडी गेट से मोटरसाईकिल चोरी होने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार ढालीपुर विकासनगर निवासी नफीस ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह रामपुर मंडी गया था। उसने अपनी मोटरसाईकिल मंडी के गेट पर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

डम्पर की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार घायल

संवाददाता

देहरादून। डम्पर की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार के घायल होने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मवाना रोड मेरठ निवासी अरूण कुमार ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका बेटा अपनी मोटरसाईकिल से शहर की तरफ आ रहा था जब वह राष्ट्रपति आशियाने के पास पहुंचा तभी सामने से आ रही ट्रेक्टर ट्राली ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने उसको अस्पताल में भर्ती कराया जहां पर उसकी हालत चिन्ताजनक बनी हुई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सू- दोकू क्र. 73

	9		1	6		2		7
3								
		6					9	
7			5		1		3	
	8			9		6		2
		4					7	
	3				2	9		6
6		7	3					4
	4			1		7	8	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.72का हल

2	6	3	9	8	7	1	5	4
8	5	1	3	2	4	6	7	9
9	4	7	1	5	6	8	2	3
3	9	8	6	7	1	5	4	2
6	1	2	5	4	3	9	8	7
5	7	4	8	9	2	3	1	6
1	2	6	7	3	5	4	9	8
4	8	5	2	6	9	7	3	1
7	3	9	4	1	8	2	6	5

कुम्भ-2027 की तैयारियों के तहत मेला क्षेत्र में तेजी से आकार ले रही अवस्थापना सुविधाएं

हरिद्वार। कुम्भ मेला-2027 के पावन पर्व के लिए कुम्भ नगरी हरिद्वार को सजाया-संवारा जा रहा है। मेला क्षेत्र में सड़कों, फुटपाथों, घाटों, पुलों, चौराहों के सुधार एवं सौंदर्यीकरण के साथ ही श्रद्धालुओं की सुविधा से जुड़ी विभिन्न अवस्थापना परियोजनाओं पर तेजी से काम चल रहा है। इन कार्यों की प्रगति और व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए मेलाधिकारी श्रीमती सोनिका ने गुरुवार को जिलाधिकारी श्री मयूर दीक्षित, अपर मेलाधिकारी श्री नंदन कुमार तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विभिन्न क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया।

मेलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान सड़कों के नवीनीकरण एवं सुधार, फुटपाथ निर्माण और चौराहों के व्यवस्थित विकास से जुड़े कार्यों की प्रगति देखी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को गतिमान कार्यों को निर्धारित समयसीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़कों एवं फुटपाथों पर आवागमन में बाधा बन रहे विद्युत पोलों को तत्काल शिफ्ट किया जाए, ताकि श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों को सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।

आइरिस पुल के निकट एडमिन रोड, बैरागी कैंप, एनएच सर्विस लेन तथा शंकराचार्य चौक मार्ग के जंक्शन का निरीक्षण करते हुए मेलाधिकारी ने इन स्थलों पर सड़क एवं यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा आसपास के क्षेत्रों के सौंदर्यीकरण के निर्देश दिए। उन्होंने जिलाधिकारी एवं अन्य अधिकारियों के साथ आइरिस पुल और महिला मिलन मंदिर के मध्य स्थित भूमि का भी जायजा लिया। यहां उपलब्ध भूमि को व्यवस्थित कर पार्क विकसित करने और स्नान की सुविधा के लिए घाट को सुव्यवस्थित करने के निर्देश दिए। प्रवेश द्वार के निकट स्थित पुराने कमरों को प्रसाधन एवं चेंजिंग रूम के रूप में विकसित करने को भी कहा।

मेलाधिकारी ने आइरिस पुल से शंकराचार्य चौक को जोड़ने वाली सड़क के सुधार कार्य को शीघ्र पूरा करने तथा इस क्षेत्र को अतिक्रमणमुक्त बनाए रखने के लिए नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शंकराचार्य चौक पर चल रहे सुधार एवं सौंदर्यीकरण कार्यों के साथ लैंडस्केपिंग की प्रगति का जायजा लेते हुए उन्होंने सभी कार्यों को बेहतर गुणवत्ता के साथ पूरा करने को कहा।

कनखल मार्ग पर सड़क सुधार एवं फुटपाथ निर्माण कार्यों का निरीक्षण करते हुए मेलाधिकारी ने कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने मार्ग पर बेतरतीब ढंग से खड़े विद्युत एवं अन्य पोलों को हटाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही डाम कोठी रोड के चौड़ीकरण और इस क्षेत्र में घाटों के अनुरक्षण कार्यों का भी निरीक्षण किया।

पंतद्वीप क्षेत्र में यूआईआईडीबी की परियोजना के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों का जायजा लेते हुए मेलाधिकारी ने गतिमान कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने इस क्षेत्र में शौचालयों एवं अन्य जन-सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान देने को कहा। इस दौरान उन्होंने एनएच के अधिकारियों से राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के अंतर्गत चल रहे कार्यों की जानकारी भी ली। साथ ही पंतद्वीप से लालजीवाला क्षेत्र तक पैदल आवागमन के लिये राष्ट्रीय राजमार्ग के ऊपर से पैदल पुल बनाए जाने की कार्रवाई तत्परता से आगे बढ़ाने की अपेक्षा की।

मेलाधिकारी ने बैरागीवाला तथा दक्षद्वीप क्षेत्र में सड़क, विद्युत एवं पेयजल आपूर्ति से संबंधित कार्यों के साथ ही पुलों और घाटों के निर्माण एवं मरम्मत कार्यों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित विभागों को शेष कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने तथा निर्माण कार्यों में निर्धारित मानकों और गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी श्री मयूर दीक्षित, अपर मेलाधिकारी श्री नंदन कुमार, एचआरडीए के सचिव श्री प्रत्यूष सिंह, उप मेलाधिकारी श्री मनजीत सिंह, लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता श्री डीपी सिंह, अधिशासी अभियंता श्री योगेश कुमार, पीआईयू के अधिशासी अभियंता श्री प्रवीण कुश, यूपीडीसीसी के परियोजना प्रबंधक श्री आशीष भट्ट, एचआरडीए के उद्यान अधिकारी श्री ए.आर. जोशी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ऑनलाइन पौने तीन लाख रूपये की धोखाधडी

संवाददाता

देहरादून। ठगो ने ऑनलाइन पौने तीन लाख रूपये की धोखाधडी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रिस्पना निवासी कृष्ण कुमार ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि अज्ञात लोगों द्वारा उसके बैंक खाते से धोखाधडी कर ऑनलाइन पौने तीन लाख रूपये निकाल लिये हैं।

चरस के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चरस के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रायवाला थाना पुलिस ने गीता कुटीर घाट के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमता हुआ देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 136 ग्राम चरस बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम वहीद हसन पुत्र शाहिद हसन निवासी ज्वालापुर हरिद्वार बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों के नियमितीकरण को लेकर कृषि मंत्री को सौंपा ज्ञापन

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी से आज पंतनगर में पूर्व जिलाध्यक्ष विवेक सक्सेना ने भेंट कर गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर में कार्यरत दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों के नियमितीकरण की स्वीकृति के संबंध में ज्ञापन सौंपा।



इस दौरान दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों ने कृषि मंत्री के समक्ष अपनी समस्याएं रखते हुए अवगत कराया कि विश्वविद्यालय में वर्ष 2003 से पूर्व से लगातार कार्यरत 55 दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों के विनियमितीकरण का मामला शासन स्तर पर लंबित है। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने मामले का संज्ञान लेते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति एवं सचिव कृषि को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कर्मचारियों को आश्वस्त किया कि उनके नियमितीकरण से जुड़ी समस्या के समाधान के लिए शीघ्र ही आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

इस अवसर पर कृषि मंत्री गणेश जोशी ने सभी कर्मचारियों को लोकपर्व इगास की बधाई एवं शुभकामनाएं भी दीं। इस दौरान कृषि मंत्री गणेश जोशी ने पंतनगर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एस.के. कश्यप से मुलाकात कर विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न शोध कार्यों, कृषि अनुसंधान एवं नवाचारों की जानकारी भी प्राप्त की। उन्होंने विश्वविद्यालय में हो रहे शोध कार्यों को किसानों के हित में उपयोगी बनाने तथा कृषि क्षेत्र में नई तकनीकों को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया।

सीएम धामी ने योगी आदित्यनाथ की माताजी के निधन पर किया गहरा शोक व्यक्त

हमारे संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पूज्य माताजी श्रीमती सावित्री देवी के निधन पर गहरा दु:ख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि माँ का स्नेह, ममता और आशीर्वाद जीवन की सबसे अनमोल पूंजी होती है। माँ का निधन परिवार के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि दु:ख की इस घड़ी में उनकी संवेदनाएं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं उनके समस्त परिजनों के साथ हैं। मुख्यमंत्री ने बाबा केदार से प्रार्थना की कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवार को इस असीम दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

डम्पर की बेटरी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने डम्पर की बेटरी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जंगलात रोड सहसपुर निवासी कादिर ने सहसपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपना डम्पर गुरूराम राय कालेज के सामने खडा किया था। आज सुबह जब वह डम्पर के पास पहुंचा तो देखा कि डम्पर से बेटरी गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सियासत की विरासत में 'अपने'...

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

नहीं होगा। कांग्रेस भी सत्ता में वापसी की कोशिश में है, लेकिन उसके सामने टिकट वितरण के साथ गुटीय संतुलन और परिवारों की दावेदारी को साधने की चुनौती है। दोनों दलों में ऐसे युवा चेहरों की संख्या बढ़ रही है, जो अपने राजनीतिक परिवार की पहचान के सहारे आगे बढ़ना चाहते हैं।

2027 का चुनाव राजनीतिक परिवारों के लिए दोहरी कसौटी लेकर आएगा। पहली कसौटी पार्टी के भीतर टिकट हासिल करने की होगी और दूसरी जनता के बीच अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान स्थापित करने की। जिन परिवारों की अगली पीढ़ी को टिकट मिलता है, उनके सामने विरासत को जनसमर्थन में बदलने की चुनौती होगी। वहीं टिकट से वंचित रहने वाले परिवारों के सामने अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा और संगठनात्मक अनुशासन के बीच संतुलन बनाने का सवाल होगा। उत्तराखंड की राजनीति में अब सवाल सिर्फ यह नहीं है कि कौन सा दल सत्ता में आएगा, बल्कि यह भी है कि पुराने राजनीतिक दिग्गज अपनी विरासत किसके हाथों में सौंपेंगे। क्या 2027 में प्रदेश को नए राजनीतिक चेहरे मिलेंगे या पुराने नेताओं की राजनीतिक जमीन पर उनके परिजन ही आगे बढ़ेंगे? इस चुनाव में राजनीतिक परिवारों की अगली पीढ़ी का भविष्य भी तय होने जा रहा है।

सवालों के 'घेरे' में धामी...

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

के बीच अंतर करना जरूरी है, लेकिन इतना स्पष्ट है कि धार्मिक संस्थानों के वित्तीय प्रबंधन में पारदर्शिता की मांग को नजरअंदाज करना आसान नहीं होगा।

प्रदेश में कानून व्यवस्था को लेकर भी सरकार और विपक्ष आमने-सामने हैं। आपराधिक घटनाओं, महिलाओं के खिलाफ अपराध, जमीनों के विवाद और पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर विपक्ष लगातार सवाल उठा रहा है। कांग्रेस का आरोप है कि प्रदेश में अपराधियों के मन में कानून का भय कमजोर हुआ है। सरकार इन आरोपों को राजनीतिक बताते हुए कानून व्यवस्था को मजबूत करने और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई का दावा करती रही है। लेकिन अलग-अलग घटनाओं के बाद उठने वाले सवाल सरकार के लिए असहज स्थिति पैदा कर रहे हैं। चुनाव से पहले जनता के बीच कानून व्यवस्था का आकलन केवल सरकारी आंकड़ों से नहीं, बल्कि लोगों के अनुभव और सुरक्षा के भरोसे से भी होगा।

दरअसल, 2027 के चुनाव से पहले भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपने विकास और सुशासन के एजेंडे को इन विवादों के बीच मजबूती से पेश करने की है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्ती, नकलरोधी कानून, निवेश, बुनियादी ढांचे के विकास और धार्मिक-सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण को सरकार की उपलब्धियों के रूप में सामने रख रहे हैं। लेकिन विपक्ष इन उपलब्धियों के समानांतर उन सवालों को खड़ा करना चाहता है, जिनका सीधा संबंध आम आदमी की रोजमर्रा की जिंदगी और सरकार के प्रति भरोसे से है। कांग्रेस के लिए भी यह अवसर कम चुनौतीपूर्ण नहीं है। मुद्दे उठाना एक बात है, लेकिन जनता के सामने उनका ठोस विकल्प और विश्वसनीय समाधान प्रस्तुत करना दूसरी बात। यदि विपक्ष इन सवालों को केवल राजनीतिक आरोपों तक सीमित रखता है तो उसका लाभ भाजपा को मिल सकता है। वहीं सरकार यदि इन मामलों में समय रहते पारदर्शी जांच, प्रभावी कार्रवाई और जवाबदेही सुनिश्चित नहीं कर पाती है तो विपक्ष के आरोप चुनावी माहौल में असर डाल सकते हैं।

उत्तराखंड की राजनीति अब केवल घोषणाओं और उपलब्धियों के इर्द-गिर्द नहीं घूम रही है। भ्रष्टाचार, महिला सुरक्षा, कानून व्यवस्था, जमीन और धार्मिक आस्था से जुड़े सवाल सत्ता की परीक्षा लेने लगे हैं। 2027 में जनता के सामने दोनों दल होंगे, लेकिन फैसला इस बात पर भी निर्भर करेगा कि सरकार इन सवालों का कितना संतोषजनक जवाब दे पाती है। चुनावी नारों से आगे अब जवाबदेही की राजनीति की परीक्षा शुरू हो चुकी है।

सामुदायिक भवन निर्माण में हो रही देरी पर उक्रांद ने नाराजगी जताई

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड क्रांति दल के महानगर अध्यक्ष प्रवीन चन्द रमोला ने सामुदायिक भवन निर्माण में हो रही देरी और कथित अवैध कब्जों के विरूद्ध कार्रवाई न होने पर नाराजगी व्यक्त की।



आज यहां एक बयान जारी करते हुए उक्रांद के महानगर अध्यक्ष प्रवीन चन्द रमोला ने ग्राम पंचायत गल्जवाडी से जुडे जनहित के दो गम्भीर मामलों को लेकर प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खडे किये हैं।

दल ने सामुदायिक भवन निर्माण में हो रही देरी और कथित अवैध कब्जों के विरूद्ध कार्रवाई न होने पर गहरी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत गल्जवाडी में सामुदायिक भवन निर्माण की स्वीकृति लगभग एक वर्ष पूर्व हो गयी थी और करीब 90 लाख रूपये की धनराशि स्वीकृत की गयी थी। बकायदा भूमि पूजन भी किया गया, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि आज तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है।

उन्होंने कहा कि इससे भी अधिक गम्भीर विषय यह है कि जिस स्थान पर विधिवत भूमि पूजन किया गया था अब उस स्थान को बदलकर किसी अन्य स्थान पर सामुदायिक भवन का निर्माण कराने का प्रयास किया जा रहा है।

सवाल यह है कि आखिर भूमि पूजन के बाद निर्माण स्थल बदलने की आवश्यकता क्यों पडी। क्या इसके पीछे कोई ठोस प्रशासनिक या तकनीकी कारण है। यदि ऐसा है तो जनता को इसकी जानकारी क्यों नहीं दी गयी है। उक्रांद ने मांग की है कि स्वीकृत धनराशि और पूर्व निर्धारित स्थल के संबंध में स्थिति स्पष्ट की जाए तथा बिना किसी अनावश्यक देरी के पारदर्शिता के साथ सामुदायिक भवन का निर्माण कार्य शुरू कराया जाये। महानगर मंत्री अजय सिंह ने आरोप लगाया कि जांच, नोटिस और ध्वस्तिकरण के आदेश के बावजूद अवैध कब्जों पर अभी तक कार्रवाई क्यों नहीं की गयी। गल्जवाडी क्षेत्र में कथित अवैध कब्जों का मामला भी प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गम्भीर सवाल खडे करता है। उक्रांद के अनुसार इन कब्जों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी के माध्यम से जांच करायी गयी थी। जांच के उपरांत एसडीएम के माध्यम से सम्बन्धित कब्जाधारियों को भूमि खाली करने के नोटिस भी जारी किये जाये।

उत्तराखण्ड क्रांति दल डेमोक्रेटिक ने जारी की प्रत्याशियों की सूची

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड क्रांति दल डेमोक्रेटिक ने विधानसभा चुनाव के लिए अपने प्रत्याशियों की सूची जारी करते हुए चकराता से बॉबी पंवार को प्रत्याशी घोषित किया।

आज यहां उत्तरखण्ड क्रांति दल डेमोक्रेटिक के केन्द्रीय कार्यकारी अध्यक्ष आशुतोष नेगी ने कहा कि अल्मोडा की सल्ट विधानसभा में विधानसभा प्रत्याशी चयन प्रक्रिया में घोर अनियमितता और धोखाधडी होने से क्षुब्ध होकर उत्तराखण्ड क्रांति दल छोडकर उत्तराखण्ड क्रांति दल डेमोक्रेटिक में शामिल हो रहे उक्रांद के केन्द्रीय उपाध्यक्ष सदस्य सलाहकार समिति वीरेन्द्र बंगारी जो सल्ट से उत्तराखण्ड क्रांति दल डेमोक्रेटिक के विधानसभा प्रत्याशी भी। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही पार्टी ने चकराता से राज्य स्वराज पार्टी के बॉबी पंवार को चकराता, त्रिभुवन चौहान राज्य स्वराज पार्टी को केदारनाथ, भूपेन्द्र कोरंगा को कपकोट आशुतोष नेगी को रायपुर, मेजर संतोष भंडारी को मसूरी, रोहित डंडरियाल को कोटद्वार, मनमोहन नागरकोटी को जागेश्वर, नरेन्द्र बिष्ट को अल्मोडा, शिवराम को सोमेश्वर, अरविन्द बुटोला को गंगोत्री, रवीन्द्र/रवि सिंह पौडी (आरक्षित अनुसूचित जाति), प्रधान र तन सिंह को नरेन्द्र नगर से प्रत्याशी घोषित किया है।

कांग्रेस ने प्रदेश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री का पुतला फूंका

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर प्रदेश सरकार का पुतला दहन किया।



आज यहां प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गणेश गोदियाल के निर्देशानुसार महानगर कांग्रेस कमेटी, देहरादून द्वारा एस्ले हॉल चौक पर प्रदेश सरकार के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का पुतला दहन किया गया। इस अवसर पर महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. जसविंदर सिंह गोगी ने कहा कि जनपद पिथौरागढ़ के ऐतिहासिक जौलजीबी मेले में क्षेत्रीय कांग्रेस विधायक एवं जनप्रतिनिधि हरीश धामी को मंच से अपनी बात रखने और क्षेत्र की जनसमस्याओं को उठाने का अवसर न देना लोकतांत्रिक परंपराओं का खुला उल्लंघन है। यह केवल एक जनप्रतिनिधि का अपमान नहीं, बल्कि उस क्षेत्र की जनता की आवाज को दबाने का प्रयास है, जिसने उन्हें चुनकर विधानसभा तक पहुंचाया है। डॉ. गोगी ने कहा कि भाजपा सरकार में हिटलरशाही और तानाशाही चरम सीमा पर पहुंच चुकी है। लोकतंत्र में असहमति की आवाज को सम्मान दिया जाता है, लेकिन प्रदेश सरकार विपक्ष के जनप्रतिनिधियों को बोलने तक का अवसर नहीं देना चाहती। सत्ता के अहंकार में सरकार लोकतांत्रिक मर्यादाओं और संवैधानिक मूल्यों को भूल चुकी है। जनता के सवालों से बचना, जनप्रतिनिधियों की आवाज दबाना और विरोध करने वालों की अनदेखी करना सरकार की तानाशाही मानसिकता को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को स्पष्ट करना चाहिए कि आखिर एक निर्वाचित विधायक को सार्वजनिक मंच पर अपनी बात रखने से क्यों रोका गया? लोकतंत्र किसी सरकार की निजी जागीर नहीं है। जनप्रतिनिधियों का सम्मान करना और जनता की समस्याओं को सुनना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा सरकार की कार्यशैली से स्पष्ट है कि उसे न तो जनता की समस्याओं की चिंता है और न ही कर्मचारियों के अधिकारों की। कांग्रेस पार्टी जनप्रतिनिधियों के सम्मान, कर्मचारियों के अधिकारों और आम जनता के हितों की लड़ाई पूरी मजबूती से लड़ती रहेगी।इस मौके पर मुख्य रूप प्रदेश उपाध्यक्ष दर्शन लाल, पार्षद अर्जुन सोनकर , अरविंद चौधरी, अभिनव थापर, ब्लॉक अध्यक्ष ललित भद्री, बीरेंद्र पंवार, सुनील थपलियाल, दीपक मधवाल, सईद अहमद जमाल , सूरज लंबा,दलबीर बर्थवाल, परवीन ध्यानी, प्रदीप रावत, मुकेश सोनकर, संदीप जैन, वीरेंद्र सिंह, सनतन सिंह, हेमवतीनंदन, अर्जुन सोनकर, सावित्री थापा, लवलीन कौर,मनीष गौनियल, मखरूल आलम, आदि मौजूद थे।

आधी आबादी पर भाजपा का 'दांव'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में 2027 के विधानसभा चुनाव की बिसात बिछने लगी है। सत्ता में लगातार तीसरी बार वापसी और 65 पार के लक्ष्य को हासिल करने की कोशिश में जुटी भाजपा ने अब अपनी चुनावी रणनीति में आधी आबादी को खास जगह दी है। पार्टी समझ रही है कि उत्तराखंड की सियासत में महिला मतदाता केवल एक बड़ा वोट बैंक नहीं, बल्कि चुनावी नतीजों को प्रभावित करने वाली निर्णायक ताकत हैं। यही वजह है कि भाजपा ने महिलाओं के बीच अपनी पैठ मजबूत करने के लिए संगठनात्मक स्तर पर नई कवायद शुरू कर दी है। सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में महिला विस्तारक नियुक्त करने का फैसला इसी रणनीति का अहम हिस्सा है।

भाजपा की इस पहल का मकसद केवल महिला मतदाताओं तक चुनावी संदेश पहुंचाना नहीं, बल्कि उनके साथ लगातार संवाद स्थापित करना और सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को संगठन से जोड़ना भी है। पार्टी पहले ही सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में पूर्णकालिक विस्तारक तैनात कर चुकी है। अब महिला विस्तारकों के जरिये इस नेटवर्क को घर-घर तक पहुंचाने की तैयारी है। यह महिला कार्यकर्ता संबंधित विधानसभा क्षेत्रों में रहकर महिलाओं के बीच पार्टी की नीतियों, कार्यक्रमों और सरकार की उपलब्धियों को पहुंचाएंगी। पार्टी के लिए यह प्रयोग इसलिए



◆उत्तराखंड में 70 सीटों पर महिला विस्तारक उतारने की तैयारी
◆महिला मतदाताओं को साधने के लिए बूथ से घर तक पहुंचेगी

भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पर्वतीय क्षेत्रों में महिलाओं की सामाजिक और राजनीतिक भूमिका काफी प्रभावशाली रही है।

महिला विस्तारकों की तैनाती के साथ भाजपा ने बूथ स्तर पर भी महिलाओं से संपर्क बढ़ाने की योजना बनाई है। महिला मोर्चा को प्रदेश के सभी 12,543 बूथों पर ड्राइंग रूम मीटिंग आयोजित करने की जिम्मेदारी दी गई है। छोटी-छोटी बैठकों के जरिये महिलाओं से सीधे संवाद किया जाएगा। स्वयं सहायता समूहों, महिला संगठनों और विधानसभा स्तरीय सम्मेलनों को भी इस अभियान का हिस्सा बनाया जा रहा है। पार्टी की कोशिश है कि महिलाओं के बीच केवल चुनाव के समय नहीं, बल्कि पूरे साल संगठन की सक्रिय मौजूदगी बनी रहे।

भाजपा की चुनावी रणनीति में महिला कल्याण और आर्थिक आत्मनिर्भरता के मुद्दे प्रमुखता से शामिल हैं। लखपति दीदी योजना, स्वयं सहायता समूहों को ब्याजमुक्त ऋण, मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव योजना, एकल महिला स्वरोजगार योजना और महिलाओं को सरकारी सेवाओं में 30 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण जैसे विषयों को पार्टी अपनी उपलब्धियों के रूप में प्रस्तुत कर रही है। नारी शक्ति सम्मान सम्मेलनों के जरिये भी सरकार महिलाओं के बीच अपनी योजनाओं का लेखा-जोखा रख रही है। पार्टी का प्रयास है कि सरकारी योजनाओं की लाभार्थी महिलाओं को केवल लाभार्थी तक सीमित न रखकर उन्हें अपने राजनीतिक और सामाजिक संपर्क अभियान का हिस्सा बनाया जाए।

वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश में महिलाओं का मतदान प्रतिशत पुरुषों से अधिक रहा था। महिलाओं ने 67.16 प्रतिशत मतदान किया, जबकि पुरुषों का मतदान प्रतिशत 61.27 रहा। यानी महिला मतदाताओं की भागीदारी पुरुषों से करीब छह प्रतिशत अधिक थी। प्रदेश में लगभग 35 लाख महिला मतदाताओं की मौजूदगी चुनावी समीकरण में उनकी अहमियत को स्पष्ट करती है। खासकर पर्वतीय विधानसभा क्षेत्रों में महिलाओं का रुख कई सीटों पर हार-जीत का अंतर तय कर सकता है।

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की माता का निधन

हमारे संवाददाता

पौड़ी। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की माता सावित्री देवी का 91 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। निधन उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले के पंचूर गांव स्थित पैतृक आवास पर हुआ। जिस कारण परिवार और करीबी लोगों में शोक की लहर दौड़ गई है।

पौड़ी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सर्वेश कुमार ने इस दुखद समाचार की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि पंचूर गांव में ही माता जी का निधन हुआ। डॉक्टर को भी बुलाया गया था। जिला सूचना अधिकारी योगेश पोखरियाल ने भी निधन की खबर की पुष्टि की है। योगी आदित्यनाथ के भाई महेंद्र सिंह ने भी मीडिया से बातचीत में इस खबर की पुष्टि की।



◆पौड़ी के पैतृक गांव में ली अंतिम साँस

सावित्री देवी पिछले कई वर्षों से अपने पैतृक गांव पंचूर में रह रही थीं। वे गृहिणी थीं और परिवार के साथ सादा जीवन व्यतीत करती थीं। उम्र संबंधी समस्याओं के कारण समय-समय पर उनका इलाज भी चलता रहा था। योगी आदित्यनाथ का जन्म 5 जून 1972 को पौड़ी गढ़वाल के यमकेश्वर तहसील के पंचूर गांव में हुआ था। उनका मूल नाम अजय मोहन सिंह बिष्ट था। परिवार में सात भाई-बहन हैं। चार भाई और तीन बहनें।

योगी आदित्यनाथ चार भाइयों में दूसरे नंबर के हैं। उनके पिता स्वर्गीय आनन्द सिंह बिष्ट वन विभाग में फॉरेस्ट रेंजर के पद पर कार्यरत थे। आनन्द सिंह बिष्ट का 20 अप्रैल 2020 को निधन हो गया था। परिवार पारंपरिक रूप से पंचूर गांव में ही रहता आया है। सावित्री देवी ने पूरे परिवार को संभाला और बच्चों के लालन-पालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। योगी आदित्यनाथ ने सन्यास लेने के बाद भी जब-तब माता से मुलाकात की और उनका आशीर्वाद लिया।

पैरामेडिकल छात्रा ने झील में लगाई छलांग

हमारे संवाददाता

पौड़ी। कीर्तिनगर कोतवाली क्षेत्र में जीवीके झील में एक युवती के छलांग लगाने का मामला सामने आया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और संबंधित टीमों ने झील में युवती की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार बीती शाम सुपाणा के समीप जीवीके झील में युवती के कूदने की सूचना पुलिस को मिली। बताया जा रहा है कि युवती ने घर पर फोन कर आत्महत्या करने की बात कही थी, जिसके बाद परिजनों ने तत्काल चौरास चौकी को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और खोजबीन शुरू की। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में युवती झील में छलांग लगाते हुए दिखाई दी। घटनास्थल से कुछ दूरी पर उसका बैग भी बरामद हुआ है। युवती की पहचान पल्लवी कठैत (20), पुत्री महिपाल सिंह कठैत, निवासी श्रीकोट गंगानाली, श्रीनगर गढ़वाल के रूप में हुई है। वह मेडिकल कॉलेज श्रीनगर में पैरामेडिकल प्रथम वर्ष की छात्रा थी। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक संजय मिश्रा के अनुसार, परिजनों से पूछताछ में युवती के लंबे समय से मानसिक परेशानी और एंग्जायटी डिसऑर्डर से जूझने की जानकारी सामने आई है। पुलिस झील में युवती की तलाश में जुटी हुई है।



आगरा से घूमने आया किशोर गंगा में लापता

हमारे संवाददाता

देहरादून/ऋषिकेश। उत्तराखंड में गंगा नदी का तेज बहाव एक बार फिर हादसे की वजह बन गया। लक्ष्मणझूला क्षेत्र में गंगा स्नान के दौरान आगरा निवासी 15 वर्षीय किशोर अंश परमार नदी की तेज लहरों में बहकर लापता हो गया। किशोर अपने स्कूल टीचर और अन्य बच्चों के साथ घूमने के लिए ऋषिकेश आया था। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार 19 नवंबर को लक्ष्मणझूला थाना पुलिस को संत सेवा आश्रम के समीप नाव घाट पर किशोर के गंगा में बहने की सूचना मिली। बताया गया कि अंश परमार निवासी रोहता, जनपद आगरा (उत्तर प्रदेश), अन्य बच्चों के साथ गंगा में स्नान कर



रहा था। इसी दौरान अचानक उसका संतुलन बिगड़ा और वह तेज बहाव की चपेट में आकर लापता हो गया। सूचना मिलते ही वरिष्ठ उप निरीक्षक प्रकाश पोखरियाल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस और एसडीआरएफ ने तत्काल संयुक्त रेस्क्यू अभियान शुरू किया। किशोर की तलाश के लिए एसडीआरएफ की डीप डाइवर्स टीम गंगा में उतरकर संभावित स्थानों पर सघन तलाशी अभियान चला रही है। हालांकि, लगातार सर्च ऑपरेशन के बावजूद किशोर का अभी तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। पुलिस और एसडीआरएफ की टीमें उसकी तलाश में जुटी हुई हैं।

दो मोबाइल लूटेरे गिरफ्तार, लूटा गया मोबाइल बरामद

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने मोबाइल लूट की घटना का खुलासा करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूटा गया मोबाइल बरामद कर लिया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

मिली जानकारी के अनुसार विकास पुत्र गिरीश, निवासी मनसा देवी, गुमानीवाला, ऋषिकेश द्वारा कोतवाली ऋषिकेश पर तहरीर देकर अवगत कराया गया कि मनसा देवी फाटक से घर की ओर आते समय स्कूटी पर सवार दो अज्ञात व्यक्तियों ने पीछे से आकर उनके हाथ से उनका मोबाइल फोन, जिसकी कीमत लगभग एक लाख 36 हजार रूपये थी, छीनकर फरार हो गए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

घटना के खुलासे तथा गिरफ्तारी हेतु एसएसपी देहरादून द्वारा दिये गये निर्देशो पर कोतवाली ऋषिकेश पर गठित पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल तथा उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरो से संदिग्धों के संबंध में आवश्यक जानकारियां एकत्रित की गई तथा प्राप्त जानकारी के आधार पर सुरागरसि पतारसी करते हुए स्थानीय तंत्र को सक्रिय किया



गया। पुलिस टीम द्वारा किए जा रहे प्रयासों के परिणाम स्वरूप चेकिंग के दौरान पुलिस टीम द्वारा मनसा देवी फाटक से नटराज की ओर जाने वाली सड़क के पास से 02 लोगों को हिरासत में लिया। जिन्होंने अपने नाम अमन गोड पुत्र अंगद गोड तथा हिमांशु शर्मा पुत्र वीरेन्द्र शर्मा को घटना में छीने गए मोबाइल फोन बरामद होने पर मौके से गिरफ्तार किया गया।

घटना में प्रयुक्त स्कूटी संख्या को सीज किया गया। पूछताछ में उनके द्वारा बताया गया कि वे दोनों नशे के आदी हैं तथा अपने नशे की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए उनके द्वारा उक्त मोबाइल छिनौती की घटना को अंजाम दिया गया था। उक्त मोबाइल को सस्ते दामों बेचने की फिराक में थे, पर इससे पूर्व ही पुलिस द्वारा उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।